लखनऊ समेत 5 शहरों में कूड़े से बनेगी बिजली

Ankush.Tripathi@timesgroup.com

समस्या बनते जा रहे कूड़े के निपटारे के लिए लखनऊ समेत यूपी के पांच शहरों में कूड़े से बिजली बनाने की परियोजना शुरू होगी। लखनऊ और कानपुर में 15 मेगावॉट, आगरा में 10, मेरठ में 9 और रामपुर में 8 मेगावॉट का प्लांट लगाया जाएगा। शासन ने परियोजनाओं पर प्रगति रिपोर्ट भी मांगी है। इसके अलावा गोरखपुर और शाहजहांपुर में भी संभावनाएं तलाशने के लिए सरकार ने निर्देश दिए हैं। इन सभी शहरों में डंप साइटों पर कूड़े के पहाड़ हो गए हैं।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत केंद्र सरकार ने नोडल सेंटर के रूप में नामित किए गए रीजनल सेंटर फॉर अर्बन ऐंड एन्वायरमेंट स्टडीज (आरसीयूईएस) ने अन्य शहरों में भी इसकी संभावनाओं पर काम शुरू कर दिया है। सेंटर के अतिरिक्त निदेशक एके गुप्ता के मुताबिक अभी 42 मेगावॉट बिजली उत्पादन की क्षमता के लिए कवायद हो रही है। आगरा और कानपुर में पहले से ही प्लांट प्रस्तावित थे, लेकिन इनकी प्रक्रिया लटकी हुई थी। आगरा में टेंडर फाइनल किया जाना है जबकि अन्य शहरों के लिए बिडिंग करवाई जा रही है। आगरा के नगर आयुक्त विजय कुमार ने बताया कि जल्द एजेंसी तय कर काम शुरू करवा दिया जाएगा।

इससे यहां पर 700 टन कचरे से कंपोस्ट और आरडीएफ (रिफ्यूज्ड डिराइव्ड फ्यूल) से बिजली बनाई जा सकेगी। लखनऊ के नगर आयुक्त उदयराज सिंह ने बताया कि शहर में 15 मेगावाट के प्लांट के लिए पावर परचेज एग्रीमेंट की कवायद शुरू कर दी गई है। जल्द प्लांट का काम भी शुरू करवाया जाएगा।

हटेंगे कचरे के पहाड़ : स्वच्छ भारत मिशन के तहत कवाल (कानपुर, आगरा, वाराणसी, इलाहाबाद, लखनऊ) टाउंस में कानपुर, आगरा और लखनऊ में कूड़े के पहाड़ हटाए जाएंगे। केंद्र सरकार ने इसके लिए इन शहरों में कचरे की डंप साइटों पर पड़े कचरे के निस्तारण के निर्देश दिए हैं। गाजियाबाद और मेरठ से भी सरकार ने इसके लिए प्रस्ताव मांगा है। इस प्रॉजेक्ट में 85% की मदद केंद्र के स्तर से की जाएगी। लखनऊ ने इसके लिए डीपीआर की कवायद शुरू कर दी है। कानपुर में मौजूदा कार्यदायी संस्था से कूड़े के निस्तारण के लिए करार किया गया है। आगरा में भी बायोमाइनिंग कर कचरे को निस्तारित किया जाएगा। इसमें जैविक कचरे से खाद और अजैविक कचरे से आरडीएफ बनाई जाएगी। आरडीएफ का इस्तेमाल कूड़े से बिजली के प्लांट या सीमेंट कंपनियों द्वारा किया जाएगा।

यहां जमा हैं कूड़े के ढेर

इन सभी शहरों में कूड़े के ढेर जमा है। एक्सपर्ट के मुताबिक कूड़े का सही ढंग से निस्तारण नहीं किया गया तो मुश्किल हो सकती है। कानपुर के पनकी प्लांट पर 40 लाख टन तक कचरा जमा है। आगरा में भी कुबेरपुर साइट पर 20 लाख टन कचरा इकट्ठा हो चुका है। लखनऊ के घैला में कूड़े के 15 मीटर ऊंचे पहाड़ बन गए हैं। यहां 30 लाख टन कचरा डंप है। बनारस और मेरठ में भी स्थितियां ऐसी ही हैं। इनसे पर्यावरण को भारी क्षति पहुंच रही है।

“ कवाल टाउंस में प्लांट के निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए जल निगम को निर्देश दिए गए हैं। कूड़े की समस्या से निपटने के लिए छोटे शहरों में भी कंपोस्ट प्लांट बनाए जाएंगे। स्वच्छ भारत मिशन के तहत डंप कचरे को हटाया जाएगा। – *विशाल भारद्वाज, निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय*